>

Title: Regarding Government's decision to disinvest the Nepa paper mills a Public Sector Undertaking .

श्री गणेश सिंह (सतना) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं और भारत सरकार का ध्यान एक बहुत महत्वपूर्ण मामले की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। जब से देश में ग्लोबलाइजेशन शुरू हुआ है, तब से सार्वजनिक क्षेत्र के कई उपक्रम एक-एक करके निजी क्षेत्र में देने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है, जिससे देश के अंदर एक ओर सार्वजनिक पूंजी समाप्त हो रही है, वहीं दूसरी ओर लाखों मजदूर बेकार हो गए हैं। यदि देश के अंदर सार्वजनिक उपक्रमों में प्रबंधन ठीक कर दिया जाए तथा भारत सरकार उन उपक्रमों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए, तो उन कारखानों को लाभ के क्षेत्र में पहुंचाने का काम किया जा सकता है।

मैं निवेदन करना चाहता हूं कि देश का एक बहुत बड़ा पेपर मिल हमारे मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के नेपानगर में स्थित है। उस कारखाने को भी निजी क्षेत्र में देने के लिए भारत सरकार तैयारी कर रही है। इससे लाखों लोग बेकार हो जाएंगे। मध्य प्रदेश सरकार और उत्तरांचल सरकार, दोनों ने लाखों हेक्टेयर भूमि वनीकरण करने के लिए उस कारखाने को मुफ्त में दी है। वह कारखाना थोड़े से प्रबंधन से, थोड़ी सी मदद से लाभ के क्षेत्र में पहुंचाने का काम किया जा सकता है।

मैं निवेदन करना चाहता हूं कि ऐसे सार्वजनिक क्षेत्र के जो कारखाने हैं और जो देश में लाभ के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, ऐसे कारखानों को निजी हाथों में न दिया जाए। केंद्र सरकार इस नीति को अपनाने का काम करे। धन्यवाद।

MR. SPEAKER : If the hon. Leaders want, I can introduce what is being done in the other place, that is, after three minutes the mike is automatically disconnected. If you want it, I can do it but I will talk to all of you about that.

Now, Adv, Suresh Kurp. आप सब बंद करके अटेंशन दीजिए।